उत्तरमाला
1. शब्दों के अर्थ
भाग्यवान
कमल का फूल
जिसे छुआ ना जा सके
डुबोना
2. प्रस्तुत पाठ में गोपियाँ उद्धव को भ्रमर के रूप में संबोधित कर रही हैं। क्योंकि उद्धव श्री कृष्ण का संदेश लेकर आए थे। गोपियां श्री कृष्ण के प्रेम के बंधन में बंधी हुई थी और कृष्णा सारे बंधन तोड़कर मथुरा चले गए।
3. उद्धव निर्गुण विचारधारा को मारने वाले हैं जबकि गोपिया सगुण विचारधारा को मानती हैं।
4. गोपिया तर्क देतीं हैं कि वे कमजोर और भोली हैं। गुड़ से चिपकी हुई चीटियां हैं और अब मरकर ही गुड़ रुपी कृष्णा से अलग हो सकेंगीं।
5 जिस प्रकार कमल के पत्ते और तेल की गागर पर पानी की बूंद तक नहीं टिकती। उसी प्रकार उद्धव के मन पर भी कृष्ण के प्रेम का कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
6. ब्रजभाषा का
7. रूपक अलंकार
उत्प्रेक्षा अलंकार
अनुप्रास अलंकार
2
1. हालदर साहब नेताजी सुभाष चंद्र की मूर्ति के बारे में सोच रहे थे।
2.सुभाष चंद्र बोस ने **1943** में सिंगापुर से सुप्रीम कमांडर के रूप में दिल्ली चलो का नारा दिया।नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ **4 जुलाई 1944** को बर्मा पहुंचे. यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' दिया.
3.हालदार साहब ने जब पहली बार चौराहे पर नेताजी की मूर्ति लगी देखी तो उन्हें वह बड़ी ही विचित्र चीज़ लगी। नेताजी की आंखों पर संगमरमर के चश्मे की जगह पर मानवीय चश्मा देखकर और भी कौतूहल हुआ। चश्मे को प्रायः बदलते देखकर भी उन्हें काफी विचित्र लगा।
5. हालदर साहब को नेताजी की मूर्ति पर संगमरमर के चश्मे की जगह मानवीय चश्मा लगाने का आईडिया बहुत अच्छा लगा।